भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 3481
दिनांक 21.03.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

संयुक्त राष्ट्र मिशन में महिला शांति सैनिक

3481. **श्री सुरेश कुमार शेटकर:**
श्री छत्रपाल सिंह गंगवार:
श्री विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी:
श्री बसवराज बोम्मई:
श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी:
श्रीमती स्मिता उदय वाघ:
श्री पी. सी. मोहन:
श्री अनुराग सिंह ठाकुर:
श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत:
श्री खगेन मुर्मु:

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या हाल ही में नई दिल्ली में दक्षिणी भूमंडल के महिला शांति सैनिकों का सम्मेलन आयोजित किया गया था;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, इसमें भाग लेने वाले देशों की संख्या तथा वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र मिशनों में तैनात महिला शांति सैनिकों की संख्या कितनी है;
(ग) संयुक्त राष्ट्र मिशनों में अधिक महिला शांति सैनिकों को प्रशिक्षित करने और तैनात करने के लिए सरकार द्वारा की जा रही विशिष्ट पहलों का ब्यौरा क्या है तथा इस सम्मेलन के महत्वपूर्ण बिंदुओं तथा सिफारिशों का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं;
(घ) इसमें महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों की क्या भूमिका होगी;
(ङ) क्या सरकार की योजना शांति स्थापना प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में अन्य दक्षिणी भूमंडल देशों के साथ सहयोग बढ़ाने और आधुनिक शांति स्थापना संबंधी चुनौतियों के लिए उन्नत कौशल से महिला शांति सैनिकों को प्रशिक्षित करने के लिए अन्य देशों के सहयोग से विशेष प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की है;
(च) यदि हां, तो महाराष्ट्र सहित राज्य-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(छ) इस प्रकार का सम्मेलन हमारे देश के लिए किस प्रकार उपयोगी होगा?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क से छ) शांति स्थापना में महिलाओं के संबंध में एक सम्मेलन जिसका शीर्षक "शांति स्थापना में महिलाएँ: एक ग्लोबल साउथ परिप्रेक्ष्य" 24 से 25 फरवरी 2025 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इसका आयोजन विदेश मंत्रालय ने रक्षा मंत्रालय और संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केंद्र (सीयूएनपीके) के सहयोग से किया था।

इस सम्मेलन द्वारा सैन्य योगदान देने वाले ग्लोबल साउथ के 35 देशों (भारत सहित) की महिला शांति सैनिकों को एक मंच पर लाया गया। इस अवसर पर मुख्य संबोधन वर्चुअल रूप से विदेश मंत्री ने दिया। समापन संबोधन रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने दिया। संयुक्त राष्ट्र का प्रतिनिधित्व श्री जीन-पियरे लैक्रोइक्स, संयुक्त राष्ट्र के अवर महासचिव, शांति संचालन विभाग और श्री क्रिश्चियन सॉन्डर्स, संयुक्त राष्ट्र के विशेष समन्वयक ने किया ।

इस सम्मेलन का उद्देश्य ग्लोबल साउथ के देशों के बीच संवाद को बढ़ावा देकर, अनुभवों को साझा करके और सहयोग में सुधार करके संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में महिलाओं की भूमिका को मजबूत बनाना था। इस सम्मेलन में शांति स्थापना से संबंधित समकालीन प्रासंगिक मसलों और शांति मिशनों के समक्ष आने वाली विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा की गई।

भारत ऐसा पहला देश है जिसने 2007 से 2016 तक चलने वाले शांति मिशन - लाइबेरिया में संयुक्त राष्ट्र मिशन (यूएनएमआईएल) में अखिल महिलाओं वाली पुलिस इकाई को तैनात किया। 2019 से, बाइस महिला शांति सैनिकों से गठित अखिल महिला फीमेल इंगेजमेंट दीम (एफईटी) को कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र संगठन स्थिरीकरण मिशन (एमओएनयूएससीओ) में तैनात किया गया है। जनवरी 2023 से, सत्ताईस महिला शांति सैनिकों वाली एक महिला एफईटी को अबेई, सूडान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम सुरक्षा बल (यूएनआईएसएफए) में भारतीय दल के भाग के रूप में तैनात किया गया है। जुलाई 2024 में, ग्यारह महिला शांति सैनिकों वाली एक तीसरी भारतीय महिला एफईटी को यूएनएमआईएसएस, दक्षिण सूडान के भाग के रूप में तैनात किया गया। वर्तमान में, मौजूदा छह संयुक्त राष्ट्र मिशनों में लगभग 150 भारतीय महिला शांति सैनिक तैनात हैं।

भारत सरकार नई दिल्ली में सीयूएनपीके में ग्लोबल साउथ के शांति सैनिकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित कर रही है। ये पाठ्यक्रम पुरुष और महिला दोनों शांति सैनिकों के लिए खुले हैं। 2023 में सीयूएनपीके द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला शांति सैनिकों के लिए आसियान महिला सैन्य अधिकारी पाठ्यक्रम और आसियान महिला सैन्य अधिकारी टेबल टॉप अभ्यास आयोजित किए जाने वाले दो पाठ्यक्रम थे। महिला शांति सैनिकों का प्रशिक्षण और साथ ही ग्लोबल साउथ की महिला शांति सैनिकों के लिए क्षमता निर्माण पहलों को बढ़ावा देना हमारी प्राथमिकता रहेगी।

इस सम्मेलन ने संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में भारत को एक अग्रणी सहभागी के रूप में स्थापित किया है। इसने समावेशी और कारगर शांति अभियानों को बढ़ावा देने, महिलाओं के प्रति समानता एवं वैश्विक सुरक्षा तथा शांति प्रयासों में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका के लिए भारत के दीर्घकालिक योगदान को सुनिश्चित किया है। इसने ग्लोबल साउथ के साथ संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में मिलकर कार्य करने की भारत की प्रतिबद्धता के महत्व को रेखांकित किया है।

*****